श्री शंभुदेव प्रार्थन

श्री शंभुदेव प्रार्थन

जय फालनयन श्रितलोलनयन सितशैलनयन शर्वा |
जय कालकाल जय मृत्युमृत्यु जय देवदेव शंभो || 1 ||

जय चंद्रमौळि नमदिंद्रमौळि मणिसांद्रहेळि चरणा |
जय योगमार्ग जितरागदुर्ग मुनियागभाग भर्गा || 2 ||

जय स्वर्गवासि मतिवर्गभासि प्रतिसर्गसर्ग कल्पा |
जय बंधुजीव सुमबंधुजीव समसांध्य राग जूटा || 3 ||

जय चंडचंडतर तांडवोग्रभर कंपमान भुवना |
जय हार हीर घनसार सारतर शारदाभ्ररूपा || 4 ||

जय शृंगि शृंगि श्रुति भृंगि भृंगि भृति नंदि नंदि विनुती |
जय कालकंठ कलकंठकंठ सुरसुंदरीस्तुत श्री || 5 ||

जय भावजात समभावजात सुकळाजित प्रियाह्री |
जय दग्धभाव भव स्निग्धभाव भव मुग्धभाव भवना || 6 ||

जय रुंडमालि जय रूक्षवीक्ष रुचिरुंद्ररूप रुद्रा |
जय नासिकाग्र नयनोग्र दृष्टि जनिताग्नि भुग्न विभवा || 7 ||

जय घोर घोरतरतापजाप तप उग्ररूप विजिता |
जय कांतिमालि जय क्रांतिकेलि जय शांतिशालि शूली || 8 ||

जय सूर्यचंद्रशिखि सूचनाग्र नयलोचनाग्र उग्रा |
जय ब्रह्म विष्णु पुरुहूत मुख्य सुरसन्नुतांघ्रि युग्मा || 9 ||

जय फालनेत्र जय चंद्रशीर्ष जय नागभूष शूली |
जय कालकाल जय मृत्युमृत्यु जय देवदेव शंभो || 10 ||